ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक-आर्थिक स्तर व उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन

D-169

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल

की शिक्षा में स्नातकोत्तर एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)

परीक्षा की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत

" लघु शोध-प्रबंध "

(2002-2003)

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

निर्देशिका

डॉ.स्वाती पात्रा

(व्याख्याता)

शोधकर्ता

श्रीमति सीमा सिंह यादव

एम.एड.(छात्रा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

श्यामला हिल्स भोपाल (म.प्र.)

"धर्मनिष्ठ"

को

सस्नेह समर्पित

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय वस्तु	पृष्ठ क्रमांक
	प्रमाण-पत्र	(i)
	आभार ज्ञापन	(ii)
	तालिका सूची	(iii)
	शोध सार	(iv)
1.	अध्याय प्रथम : शोध परिचय	1.
1.1.	प्रस्तावना	1.
1.2	प्राचीन भारत में स्त्री शिक्षा का इतिहास	2.
1.3	मुस्लिम काल में स्त्री शिक्षा	3.
1.4	अंग्रेजी शासन काल में स्त्री शिक्षा	3.
1.5	स्वतंत्र भारत में स्त्री शिक्षा	4.
1.6	सवैंधानिक व्यवस्थाएँ	7.
1.7	महिला शिक्षा की वर्तमान स्थिति	8.
1.8	मध्यप्रदेश में महिला शिक्षा की वर्तमान स्थिति	9.
1.9	अभिप्रेरणा	11.
1.10	समस्या कथन	16.
1.11	शोध की आवश्यकता व महत्व	16.
1.12	शोध उद्धेश्य	17.
1.13	शोध परिकल्पनाएँ	17.
1.14	शीर्षक में प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या	18.
1.15	शोध कार्य का सीमांकन	20.
2.	अध्याय -द्वितीय: संबंधित शोध कार्य	21.
2.1	प्रस्तावना	21.
2.2	पूर्व शोध अध्ययन	21.
3.	अध्याय तृतीय: शोध प्रविधि	28.
3.1	प्रस्तावना	28.
3.2	न्यादर्श	28.

3.3	शोध चर	29.
3.4	शोध में प्रयुक्त उपकरण	30.
3.5	उपकरणों का प्रशासन	31.
3.6	प्रदत्त संकलन	32.
3.7	प्रयुक्त सांख्यकीय विधि :	32.
4.	अध्याय चतुर्थ : प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	33.
4.1	समंक विश्लेशण एवं व्याख्या	33.
5.	अध्याय-पंचम, शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव :	45
5.1	परिचय	45.
5.2	समस्या कथन	46.
5.3	शोध उद्धेश्य	46.
5.4	शोध चर	47.
5.5	शोध परिकल्पनाएँ	47.
5.6	शोध कार्य का सीमांकन	48.
5.7	न्यादर्श चयन	48.
5.8	शोध में प्रयुक्त उपकरण	49.
5.9	प्रयुक्त सांख्यकीय विधि	50.
5.10	शोध निष्कर्ष	51.
5.11	सुझाव	52.
5.12	भविष्य अध्ययन हेतु सुझाव	52.
	संदर्भ सूची	54.

❁❁❁

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमति सीमा सिंह यादव क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्) श्यामला हिल्स, भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की नियमित छात्रा _ इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध " ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक- आर्थिक स्तर व उपलब्धि अभिप्रेरणा के प्रभाव का अध्ययन " मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है। यह शोध कार्य निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है।

यह लघु शोध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम.एड. परीक्षा 2002-2003 की आंशिक-सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

25.4.03

डॉ. स्वाती पात्रा
(व्याख्याता)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

दिनांक : अप्रैल, 2003

आभार -ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपनी मार्गदर्शिका **डॉ. स्वाती पात्रा**(व्याख्याता) की कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य को कराने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं परम आदरणीय **प्राचार्य प्रो. एस.ए.शफी** एवं विभागाध्यक्ष व अधिष्ठाता प्रो. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल, के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने अनुकूल वातावरण, सुविधाएँ एवं प्रोत्साहन प्रदान कर मेरा कार्य सुगम बनाया।

मैं डॉ. यू.लक्ष्मीनारायण(एम.एड.प्रभारी व प्रवाचक) के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ ,जिन्होंने प्रदत्तों के विश्लेषण में उचित मार्गदर्शन व प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

मैं डॉ. रमेश बाबू, डॉ. सुनीति खरे, श्री संजय कुमार पंडागले, डॉ. इन्द्राणी सौ भादुरी, डॉ. एस. के . गुप्ता, डॉ. के.के. खरे, डॉ. (सुश्री) एस.पी.पटनायक, डॉ. ज्ञानानंद प्रकाश, डॉ. मधूलिका एस. पटेल एवं उन समस्त गुरूजनों की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने शैक्षिक संगोष्ठी के समय उचित मार्गदर्शन प्रदान करके मेरे शोध कार्य का मार्ग प्रशस्त किया।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष श्री पी.के.त्रिपाठी व समस्त पुस्तकालय परिवार के सहयोग हेतु आभारी हूँ। मैं अपने सभी सहपाठियों, सहयोगियों तथा उन सभी व्यक्तियों का धन्यवाद करती हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य को सम्पन्न करने में सहयोग प्रदान किया है।

अंत में मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों की सदैव ऋणी रहूँगी, जिन्होंने शोध कार्य पूर्ण करने में धैर्यपूर्वक प्रेरणा स्त्रोत एवं आर्थिक स्त्रोत के रूप में सुविधादाता की भूमिका निभायी।

Sadav

शोधकर्ता

श्रीमति सीमा सिंह यादव

एम.एड.(प्रारंभिक शिक्षा) छात्रा

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

तालिका सूची

तालिका क्रं.	विषय वस्तु	पृष्ठ क्रमांक
1.1	भारत में लिंग आधार पर ग्रामीण नगरीय साक्षारता दर प्रतिशत में।	9.
1.2	मध्यप्रदेश में लिंग आधार पर ग्रामीण नगरीय साक्षारता दर प्रतिशत में।	10.
3.1	ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की संख्या।	29.
4.1	ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि।	34.
4.2	ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा।	35.
4.3	ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं का सामाजिक-आर्थिक स्तर।	36.
4.4	नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव ।	37.
4.5	ग्रामीण क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव।	39.
4.6	नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव।	40.
4.7	ग्रामीण क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव।	41.
4.8	बहुस्तरीय प्रतिगमन समीकरण : स्वतंत्र चर- उपलब्धि अभिप्रेरणा व सामाजिक-आर्थिक स्तर, आश्रित चर- शैक्षिक उपलब्धि।	42.
5.1	ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की संख्या।	49.

शोध सार:

प्रस्तुत अध्ययन का उद्धेश्य ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की उपलब्धि अभिप्रेरणा तथा सामाजिक-आर्थिक स्तर का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना था। न्यादर्श के रूप में नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र की 120 उच्च प्राथमिक स्तर (छठवीं,सातवी व आठवीं कक्षा) की बालिकाओं को उद्धेश्यपूर्ण न्यादर्श विधि के अन्तर्गत लिया गया। जिसमें 60 ग्रामीण व 60 नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं को लिया गया।

बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि जानने के लिए बालिकाओं के पिछले वर्ष के परीक्षा परिणाम के अंकों को प्रतिशत में लिया गया। बालिकाओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर को जानने के लिए 'डॉ. एस. पी.कुलश्रेष्ठ' द्वारा निर्मित सामाजिक-आर्थिक स्तर परिसूची का प्रयोग किया गया। बालिकाओं की उपलब्धि -अभिप्रेरणा को जानने के लिए डॉ.टी.आर. शर्मा द्वारा निर्मित उपलब्धि -अभिप्रेरणा परीक्षण का प्रयोग किया गया। तत्पश्चात् प्रदत्तों का संकलन सारणीयन व विश्लेषण किया गया। प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए 'टी-मूल्य', एक स्तरीय प्रसरण विश्लेषण व प्रतिगमन समीकरण का प्रयोग किया गया।

प्रस्तुत अध्ययन द्वारा हमें पता चलता है कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि, उपलब्धि अभिप्रेरणा व सामाजिक-आर्थिक स्तर में सार्थक अंतर है, परंतु जब हम ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र की उच्च प्राथमिक स्तर की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर सामाजिक आर्थिक स्तर व उपलब्धि अभिप्रेरणा का प्रभाव देखते हैं तो सामाजिक -आर्थिक स्तर का कोई प्रभाव दिखाई नहीं देता है। यदि सामाजिक- आर्थिक स्तर को नियंत्रित करते हैं तो उपलब्धि अभिप्रेरणा का शैक्षिक उपलब्धि पर स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है।